इतनी विशाल कांवड़ यात्रा मैंने पहले कभी नहीं देखी : डॉ. यादव

हर-हर महादेव के जयकारों से गूंजी संस्कारधानी, भगवान भोलेनाथ को पवित्र नर्मदा जल अर्पित करने के संकल्प के साथ निकले लाखों कांवड़ यात्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दादा गुरु के साथ उठाया कांवड़

केबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल के साथ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी भोले की भक्ति में लीन नजर आये

नवभारत, जबलपुर। जहां तक नजर जाती है, वहां तक कांवड़ ही कांवड़ दिखाई दे रही हैं। इतनी विशाल कांवड़ यात्रा मैंने पहले कभी नहीं देखी। ऐसा लग रहा है मानो आस्था का सैलाब समुद्र की लहरों की तरह आगे बढ़ रहा हो। ये बातें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संस्कार कांवड़ यात्रा की प्रशंसा करते हुए कही। सोमवार को आयोजित इस कांवड़ यात्रा में आस्था का विशाल सैलाब उमड़ पड़ा। मां नर्मदा के पवित्र जल को लेकर सुबह 6 बजे से ही हजारों कांवड़ियों ने कतारबद्ध होकर कदम बढ़ाए और भगवान भोलेनाथ को अर्पित करने के संकल्प के साथ यात्रा पर निकले। इस दौरान पूरा शहर हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से गूंज उठा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सुबह 10:55 पर डुमना एयरपोर्ट पहुंचे, जहां से सीधे उनका काफिला रांझी के लिए रवाना हुआ। वे ठीक समय पर रांझी के मेमोरी तिराहा पहुंचे और सीधे कांवड़ यात्रा में शामिल हुए। वहां मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कावड़ियों पर फूल भी बरसाए। इस दौरान डॉ. यादव ने कहा कि कांवड़ यात्री अपनी भक्ति, साधना और संकल्प के बल पर मां नर्मदा का जल लेकर निकले हैं। मां नर्मदा भी अपने जल के साथ शिव-शक्ति की आराधना के इस संकल्प को पूरा कराने के लिए अपने भक्तों के साथ कांवड़ के रूप में समाहित हैं। सावन के पावन महीने में मां नर्मदा की नगरी संस्कारधानी जबलपुर से भगवान भोलेनाथ को जल अर्पित करने के लिए यह यात्रा निकली है।

उल्लेखनीय है कि तत्कालीन संतों के मार्गदर्शन में कैलाशधाम का निर्माण 1984 में जन सहयोग से हुआ था और वर्ष 2011 से यह कांवड़ यात्रा शुरू हुई, जिसे संस्कार कांवड़ यात्रा के नाम से जानते हैं।

मुख्यमंत्री ने दादा गुरु के साथ उठाई कांवड़

मुख्यमंत्री ने दादा गुरु के साथ कुछ दूरी तक कांवड़ उठाई और कांवड़ यात्रियों का उत्साह बढ़ाया। प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल भी इस अवसर पर उनके साथ थे। मुख्यमंत्री ने दादा गुरु सहित संतों की सराहना करते हुए कहा कि संतों की तपस्या और साधना समाज के लिए प्रेरणा है। संतों का जीवन केवल सांसारिक सुखों के लिए नहीं, बल्कि पवित्रता के मार्ग पर चलते हुए परमात्मा तक पहुंचने की प्रेरणा देता है। दादा गुरु ने अपने जीवन में तप और साधना का जो उदाहरण प्रस्तुत किया है, वह अद्भुत है। उनके संकल्प और आशीर्वाद से सभी के जीवन में मंगल हो, यही प्रार्थना है।

राजनीति से बढ़कर श्रद्धा

राजनीति की सीमाओं से परे श्रद्धा और समरसता की एक बेहद खूबसूरत तस्वीर सामने आई। इस पावन कांवड़ यात्रा के दौरान भाजपा और कांग्रेस के दो प्रमुख नेता प्रहलाद पटेल और जीतू पटवारी एक साथ कंधे से कंधा मिलाकर भगवान भोलेनाथ की भक्ति में लीन नजर आए। इन दोनों ने राजनीति को किनारे रखकर एक साथ कांवड़ उठाई और बाबा महाकाल की आराधना की। दोनों नेताओं के इस साझा संकल्प ने न केवल कांवड़ यात्रियों का उत्साह बढ़ाया, बल्कि समाज को आपसी सौहार्द और समरसता का एक अद्भुत संदेश भी दिया।

पर्यावरण संरक्षण यात्रा का मुख्य उद्देश्य

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री प्रहलाद पटेल एवं महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने बताया कि इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण का संरक्षण है। प्रत्येक कांवड़िये ने अपनी कांवड़ के एक छोर पर मां नर्मदा का पवित्र जल और दूसरे छोर पर पौधा धारण कर पर्यावरण की अलख जगाई।

धार्मिक पर्यटन मजबूत करेगी सरकार

इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार धार्मिक पर्यटन और श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए लगातार काम कर रही है। सनातन संस्कृति की धारा को और मजबूत करने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। कांवड़ यात्रियों को यात्रा के प्रत्येक पड़ाव पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही प्रदेश के देवस्थलों को उनकी गरिमा और गौरव के अनुरूप विकसित करने तथा श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का काम भी जारी है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि भारत की सांस्कृतिक जड़ों में सनातन संस्कृति की मजबूत उपस्थिति है। हमारे देवस्थान आत्म-अनुशासन और जीवन में उन्नति की प्रेरणा देते हैं। इनसे घर-घर सकारात्मकता, उत्साह, उमंग और उल्लास का वातावरण बनता है तथा जीवन की चुनौतियों से पार पाने के लिए परमात्मा का आशीर्वाद लेने की प्रेरणा मिलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका संबंध बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन से रहा है, लेकिन बाबा महादेव कण-कण में विद्यमान हैं। विशेष रूप से मां नर्मदा के बारे में कहा जाता है कि नर्मदा के हर कंकर में शंकर दिखाई देते हैं। मां नर्मदा की कृपा से ही भक्त उनकी पवित्र धारा का जल लेकर भगवान भोलेनाथ को अर्पित करने के लिए इस पावन यात्रा पर निकलते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कांवड़ यात्रियों, जबलपुर वासियों, प्रदेशवासियों और देशवासियों को संस्कार कांवड़ यात्रा के अवसर पर शुभकामनाएं दीं।

पुलिस और प्रशासनिक अमले ने निभाई अहम भूमिका

यात्रा के दौरान व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखने में पुलिस और प्रशासनिक अमले ने बेहद अहम भूमिका निभाई। यात्रा समाप्त होने के महज एक घंटे के भीतर नगर निगम की प्रतिबद्धता से पूरे यात्रा मार्ग को पूरी तरह साफ कर दिया गया। यह यात्रा ग्वारीघाट से प्रारंभ हुई, जहां श्रद्धालु नर्मदा जल भरने के बाद यात्रा रामपुर, गोरखपुर, शास्त्री ब्रिज, मालवीय चौक, लार्डगंज, बड़ा फुहारा, सराफा चौक, खटीक मोहल्ला, बेलबाग, घमापुर चौक, कांचघर और राँझी होते हुए कैलाश धाम पहुंची। यह पूरा मार्ग करीब 30 किलोमीटर लंबा है।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल, महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू', विधायक अशोक रोहाणी, विधायक सुशील तिवारी 'इंदु', विधायक डॉ. अभिलाष पाण्डेय, विधायक नीरज सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष आशा मुकेश गोंटिया, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, नगर निगम अध्यक्ष रिंकु विज, भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, भाजपा दिव्यांग प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष संदीप रजत, भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, भाजपा जिला अध्यक्ष राजकुमार पटेल, पूर्व विधायक नीलेश अवस्थी, सोनू बचवानी, रंजीत पटेल और काँवड़ यात्रा के संयोजक शिव यादव उपस्थित रहे।

कांवड़ यात्रा का स्वागत कर बांटी लस्सी

बड़ा फुहारा स्थित खुन्नेलाल एंड कंपनी आयुर्वेदिक दवाई की दुकान पर सावन के पावन अवसर पर निकली कांवड़ यात्रा एवं शाही सवारी का पुष्पवर्षा तथा महाआरती के साथ भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं को शीशी में सरयू मैया का पवित्र जल और मीठी लस्सी का वितरण किया गया। इस विशेष अवसर पर जमुना प्रसाद अग्रवाल एडवोकेट ट्रस्ट के अध्यक्ष शरद अग्रवाल, डॉ. सुधीर अग्रवाल, एड. सचिन अग्रवाल, स्पर्श और संस्कार सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

बोल बम के नारों से गूंज उठा सांस्कृतिक मंच

हर साल की तरह इस साल भी मंचीय कलाकार वेलफेयर एसोसिएशन रजिस्टर्ड मध्य प्रदेश कलाकार एसोसिएशन द्वारा सोमवार को संस्कार कांवड़ यात्रा में कांवड़ यात्रियों के मनोबल को बढ़ाने के लिए रांझी गरबा महोत्सव समिति एवं खमरिया कर्मचारी संघ के सहयोग से एक भव्य धार्मिक गीत-संगीत मंच लगाया गया। इस दौरान बोल बम के नारों से पूरा प्रांगण गूंज उठा। कार्यक्रम का प्रारंभ गणेश वंदना से हुआ, जिसमें प्रसिद्ध कलाकारों ने बम भोले और भोले बाबा के भजनों की शानदार प्रस्तुतियां दीं। इस अवसर पर सैक्सोफोन पर प्रसिद्ध भोले बाबा के गीत की प्रस्तुति देकर पब्लिक का मन मोह लिया गया, जबकि ढोलक, कीबोर्ड, ड्रम और पैड जैसे वाद्य यंत्रों की जुगलबंदी ने श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया।

पौधरोपण एमपीपीएमसीएल के रामपुर परिसर स्थित टावर गेट सुरक्षा चौकी में किया गया पौधरोपण

धरती को हरा-भरा बनाने आगे आए सुरक्षा विभाग के कार्मिक

नवभारत, जबलपुर। एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के सुरक्षा विभाग के अधिकारियों एवं सुरक्षा कार्मिकों ने रामपुर परिसर स्थित टावर गेट सुरक्षा चौकी के निकट फलदार पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर सुरक्षा दस्ते के प्रत्येक कार्मिक ने एक-एक पौधे के संरक्षण और उसकी नियमित देखभाल का संकल्प लिया। कार्यक्रम में पावर मैनेजमेंट कंपनी के कार्यपालक निदेशक मानव संसाधन एवं प्रशासन फिरोज कुमार मेश्राम, अतिरिक्त मुख्य अभियंता अनुराग नायक एवं महाप्रबंधक प्रशासन नितिन खत्री ने पौधारोपण किया। इसके पश्चात सुरक्षा विभाग के अधिकारियों एवं कार्मिकों ने भी पौधे लगाए और उनके संरक्षण की

जिम्मेदारी लेने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

पर्यावरण संरक्षण एक दिन की औपचारिकता नहीं : मेश्राम

इस दौरान कार्यपालक निदेशक फिरोज कुमार मेश्राम ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण किसी एक दिन की औपचारिकता नहीं, बल्कि जीवनभर निभाया जाने वाला संकल्प है। उन्होंने कहा कि पौधारोपण को केवल अभियान तक सीमित न रखते हुए इसे दैनिक जीवन का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को पौधा लगाने के साथ उसके वृक्ष बनने तक उसकी देखभाल और संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जीवन के प्रत्येक सुखद अवसर को पौधारोपण और पर्यावरण संरक्षण से जोड़कर हम आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर और सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित कर सकते हैं। सुरक्षा अधिकारी रामनारायण यादव ने कहा कि सुरक्षा विभाग के कार्मिकों ने पौधारोपण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के साथ अपने सामाजिक दायित्व के निर्वहन की पहल की है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा दस्ते के प्रत्येक कार्मिक ने एक-एक पौधे के संरक्षण की व्यक्तिगत जिम्मेदारी लेने का संकल्प किया है, जिससे पौधों की नियमित देखभाल और उनकी वृद्धि सुनिश्चित हो सके।

2 साल में रोपे 10 हजार पौधे

उल्लेखनीय है कि पावर मैनेजमेंट कंपनी के सिविल निकाय द्वारा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। पिछले 2 वर्षों के दौरान रामपुर, नयागांव एवं ललपुर परिसरों में 10 हजार से अधिक पौधों का रोपण किया गया है। इनमें से 95 प्रतिशत से अधिक पौधे अब सुरक्षित रहकर वृक्ष का रूप ले चुके हैं। पौधों के संरक्षण की इस सफलता से कंपनी परिसरों में हरित क्षेत्र का विस्तार होने के साथ पर्यावरणीय संतुलन को भी मजबूती मिली है। सुरक्षा विभाग के अधिकारियों एवं कार्मिकों ने लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस अवसर पर फिरोज कुमार मेश्राम, अनुराग नायक, नितिन खत्री, रामनारायण यादव, कार्यक्रम का संयोजन करने वाले सुरक्षा अधिकारी प्रवीण कपूर एवं सुरक्षा निरीक्षक संजय सिंह सहित सुरक्षा विभाग के अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे।

रचनाकारों की सृजनात्मक प्रस्तुतियों से सजी काव्य गोष्ठी

नवभारत, जबलपुर। शासकीय महाकौशल महाविद्यालय में साहित्यिक गरिमा के साथ 'सशक्त हस्ताक्षर' की 51वीं काव्य गोष्ठी आयोजित हुई। इसका शुभारंभ संस्थापक गणेश श्रीवास्तव 'प्यासा' ने किया। इसके पश्चात वरिष्ठ साहित्यकार हीराधर बड़गैया ने काव्य गोष्ठी की शुरुआत की, जहां रचनाकारों की उत्कृष्ट रचनाओं से वातावरण साहित्यिक ऊर्जा से सराबोर रहा। इस समारोह में अरविंद मोहन नायक की पुस्तक 'दास्तां' का लोकार्पण किया गया, वहीं निर्मला डोंगरे 'पूर्णिका' एवं शिवानी भगत 'महेश्वरी' को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुर्वेदी रहे, अध्यक्षता डॉ. हरिशंकर दुबे ने की, जबकि विशिष्ट अतिथियों के रूप में संध्या जैन 'श्रुति', डॉ. अरुण शुक्ल एवं अमरेन्द्र नारायण सारस्वत उपस्थित रहे। मंच संचालन सिद्धेश्वरी सराफ 'शीलू' ने और आभार प्रदर्शन तरुणा खरे 'तनु' ने किया। इस पूरे आयोजन में गणेश श्रीवास्तव 'प्यासा', अरविंद मोहन नायक, निर्मला डोंगरे 'पूर्णिका', शिवानी भगत 'महेश्वरी', डॉ. अलकेश चतुर्वेदी, डॉ. हरिशंकर दुबे, संध्या जैन 'श्रुति', डॉ. अरुण शुक्ल, अमरेन्द्र नारायण सारस्वत, सिद्धेश्वरी सराफ 'शीलू', तरुणा खरे 'तनु', हीराधर बड़गैया, राजेश पाठक 'प्रवीण', संगम त्रिपाठी, प्रकाश सिंह ठाकुर 'इंद्राना', यशपाल जैन, अंजलि नायक, डॉ. ज्योति जुनगरे, चंद्रकांत जैन, सत्यम् श्रीवास्तव, दिवाकर शर्मा, महेश स्थापक, संतशरण श्रीवास्तव 'बच्चन', कुंजीलाल चक्रवर्ती 'निर्झर', डॉ. ताराचंद कुशवाहा, सुशील श्रीवास्तव, उर्मिला श्रीवास्तव, पूजा नारायण शर्मा, मानसिंह ठाकुर 'दीपक', दीनदयाल तिवारी 'बेताल', विवेक कुमार गुप्ता 'सहर', प्रेम कुमार पालीवाल, लखन रजक, विजय सिन्हा 'कमर जानी इलाहाबादी', डॉ. अरुणा पाण्डे, प्रभा बच्चन श्रीवास्तव, आशा मालवीय, कालीदास ताम्रकार 'काली', अमर सिंह वर्मा, सुशील जैन एवं डॉ. सुरेंद्र लाल साहू 'निर्विकार' की सक्रिय सहभागिता रही।